मानवशास्त्र
(Anthropology)

परिभाषा : मनुष्य एक जिज्ञासु प्राणी है। धरती पर कदम रखते ही उसने सर्वप्रथम प्राकृतिक वातावरण के सम्बन्ध में सोचना और विचार करना प्रारम्भ कर और इस क्षेत्र में धीरे धीरे उसके ज्ञान का भंडार एकत्रित हो गया आगे चलकर यही ज्ञान विज्ञान में परिवर्तित हो गया परिणामस्वरूप प्राकृतिक विज्ञान का विकास हुआ। मानव को अपनी क्षमताओं को देख कर स्वयं अपने ऊपर आश्चर्य होने लगा। ऐसी स्थिति में वह स्वयं अपना अध्ययन करने की ओर प्रेरित हुआ। मानव के सम्बन्ध में प्राप्त ज्ञान मानव की समस्याओं को समझने और उन्हें हल करने में प्रभावशाली ढंग से सहायक सिद्ध हुआ। मनुष्य के अध्ययन को ही मानवशास्त्र कहा जाता है। मानवशास्त्र वह विज्ञान है जिसमें मानव की उत्पत्ति तथा उसके कार्यों का अध्ययन किया जाता है। मानवशास्त्र का एक स्वतन्त्र विज्ञान के रूप में विकास 19 वीं शताब्दी के मध्य में प्रारम्भ हुआ।

Anthropology शब्द की उत्पत्ति ग्रीक भाषा के शब्द Anthropos तथा Logus शब्द से मिलकर हुई है जिसका मानव + शास्त्र है। इस प्रकार मानवशास्त्र एक ऐसा विज्ञान है जो मानव का वैज्ञानिक ढंग से अध्ययन करता है। वास्तव में मानव का अध्ययन और भी विज्ञानों में किया जाता है लेकिन मानवशास्त्री मानव का अध्ययन केवल प्राणि जगत के एक सदस्य के रूप में

Scanned with CamScanner

नहीं करता बल्कि एक समाज के सदस्य के रूप में उसके व्यवहार का भी अध्ययन करता है। मानव-शास्त्री प्रारम्भिक समय से लेकर वर्तमान समय तक के मानव जाति के संरचनात्मक उद्विकास और सभ्यताओं की वृद्धि का अध्ययन करता है।

Hoebel के अनुसार "मानवशास्त्र मानव और उसके समस्त कार्यों का अध्ययन है। अपने सम्पूर्ण अर्थ में यह मानव की प्रजातियों एवं प्रथाओं का अध्ययन है।"

Kroeber के अनुसार "मानवशास्त्र मनुष्यों के समूहों तथा उनके व्यवहार और उपार्जन का विज्ञान है।"

Herskovit के अनुसार "मानवशास्त्र मानव व उसके कार्यों का अध्ययन है।"

Majumdar तथा Madan के अनुसार "मानवशास्त्र मानव के उद्भव एवं विकास का ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा समाजिक दृष्टिकोण से अध्ययन करता है।"

इन परिभाषाओं के विश्लेषण तथा व्याख्या से यह स्पष्ट है कि मानवशास्त्र मानव जाति के जन्म से लेकर वर्तमान समय तक के मानव एवं उसके कार्यों का विस्तृत अध्ययन है। मानवशास्त्र मानव का ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं समाजिक दृष्टिकोण से अध्ययन करता है। यह प्रत्येक युग एवं संस्कृति के मानव का अध्ययन करता है। मानवशास्त्र किसी स्थान, समय तथा किसी विशेष संस्कृति का अध्ययन नहीं है।

Scanned with CamScanner